परमेश्वर का वचन मुझे उसके पास ले जाता है और मुझे उसके प्रेम को महसूस करने में मदद करता है (1 नफी 8:2, 5–34)।

लेही के दिव्यदर्शन की भूलभुलैया के द्वारा अपना मार्ग खोजें, उन बातों से बचें जो आपको जीवन के वृक्ष तक पहुंचने से रोकेंगी।